शोध :

जैव-प्रौद्योगिकीय एवं अन्य नैदानिक साधनों का इस्तेमाल करके बधिरांधता के कारणों का विश्लेषण करके शोध करना परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके निष्कर्षों एवं आनुवंशिक इंजीनियरिंग पद्धतियों का इस्तेमाल करके विभिन्न स्तरों पर बहु-विकलांगता की रोकथाम की जा सकती है।

एडिप :

एडिप योजना के अंतर्गत कई लाभार्थियों को CD प्लेयर, ब्रेल घडी, सिग्नेचर गाइड, ब्रेल स्लेट, मोबिलिटी केन, काले चश्मे, टेलर फ्रेम और प्रारंभिक हस्तक्षेप योग्य ग्रुप के लिए विशेष रूप से निर्मित सामग्रियाँ दी जाती है।

बधिरांधतजनों को सशक्त बनाने के हमारे प्रयास में शामिल होए।

NIEPMD

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(निःशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities

(Department of Disabilities Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्तूकाडु, कोवलम (पोस्ट ऑफ़िस),
चेन्नई - 603112, तमिलनाडु
फोन. 044-27472113, 27472046 फैक्स: 044-27472389
वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in ई-मेल: niepmd@gmail.com
कार्य अवधि : सोमवार से शुक्रवार
(सुबह 9.00 से शाम 5.30 बजे)

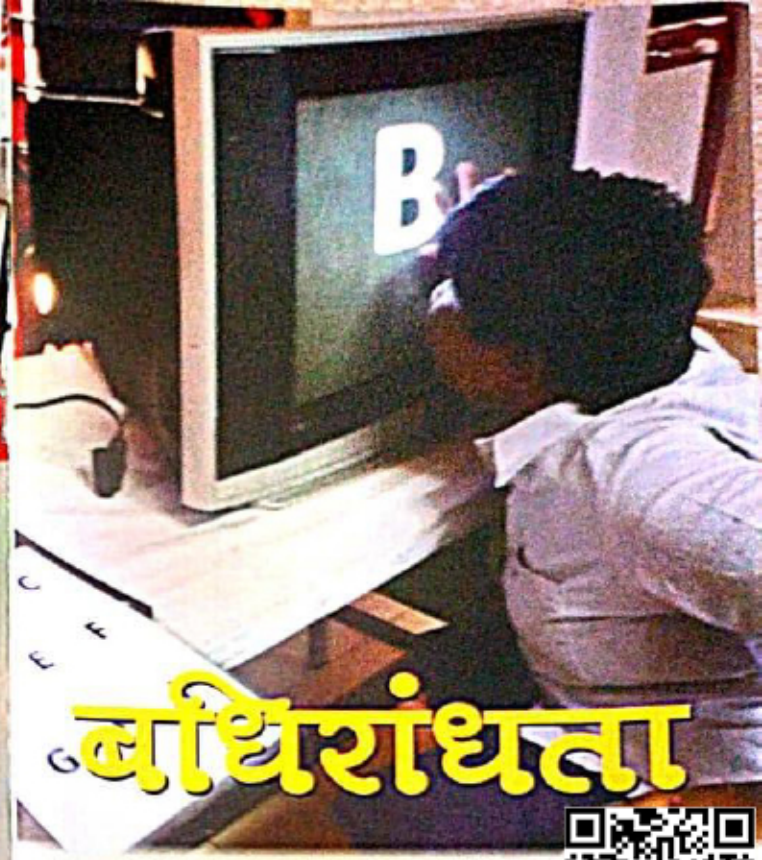

बधिरांधता

SCAN QR CODE TO DOWNLOAD BROCHURE

NIEPMD

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(निःशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities

(Department of Disabilities Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

बहुविकलांग लोगों के सुलभ उपयोग हेतु वेबसाइट तैयार करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2011) और बहुविकलांग लोगों हेतु बाधारहित भवन बनाने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2012) प्राप्त संस्था।

बधिरांधता क्या है और इसका हम कैसे पता लगा सकते हैं?

बधिरांधता एक ऐसी संवेदी दुर्बलता है जिसमें आंख और कान दोनों भिन्न-भिन्न अनुपातों में प्रभावित होते हैं। आँखों और कानों में समस्याएँ होने की वजह से आस-पास की दुनिया को समझने, दूसरे लोगों के साथ बातचीत करने और एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में कठिनाई होती है। यह विशेष प्रकार की निःशक्तता है जो जन्म के समय से ही मौजूद हो सकती है या बाद में भी हो सकती है। बधिरांधता अन्य परिस्थितियों जैसे मांसपेशियों के कड़ेपन, मानसिक मंदता, ऑटिज़्म के साथ भी हो सकती है ।

जब आपका बच्चा आपकी तरफ न देखें और उसके आस-पास हो रही आवाज़ के प्रति कोई प्रतिक्रिया न दर्शाए और आस-पास की दुनिया में रुचि नहीं ले तो आप बधिरांधता का संदेह कर सकते हैं ।

कक्षा का उद्देश्य

वास्तविक जीवन के कार्यकलापों और स्पर्शीय प्रावधान, संकेत भाषा, ब्रेल, ब्रेलर, कम्प्यूटर और टेलर फ्रेम का इस्तेमाल करके बनाई गई उभरी तस्वीरों के जरिए सम्प्रेषण कौशलों तथा RRR का विकास करके स्वतंत्र रूप से जीवन-यापन करने की क्षमता विकसित करना। अवशेष दृष्टि और श्रवण, स्पर्श, गंध, आस्वादन, वेस्टिबुलर और गतिबोधक भाव और प्री-केन, केन का इस्तेमाल करके चलिष्णुता तकनीकें और दृष्टिवान सहायक तकनीकें विकसित करना ।

सदियों पुराने उपचारों और समुन्नत तकनीकों का समन्वयन :

ऋषि-मुनि रुद्राक्ष को पवित्रता के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करते थे। लेकिन हम उनकी संयुक्त योजना के जरिए बॉडी शारीरिक छवि विकसित करने और अति-चंचलता नियंत्रित करने के लिए

भी इस्तेमाल करते हैं। 19 औषधीय जड़ी-बूटियों से बना हर्बल पाउडर चमत्कार करता है और इस पाउडर से मालिश करने से कम उम्र के बधिर-नेत्रहीन बच्चों में बॉडी इमेज विकसित करने में सहायता मिलती है। अनुनाद बोर्ड लकड़ी का एक टुकड़ा होता है और यह भी प्रारंभिक हस्तक्षेप योग्य के लिए अत्यन्त उपयोगी साधन है। स्पर्शीय उद्दीपन के लिए भिन्न-भिन्न बनावटों के बोर्डों और चटाईयों का इस्तेमाल किया जाता है। बहु-संवेदी दृष्टिकोण से इंद्रियों का एकीकरण हो जाता है और हमारे फिजियोथेरेपिस्ट, आक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, डॉक्टर और बहुविषयक टीम के अन्य सदस्य एक साथ मिलकर बधिर-नेत्रहीन वयस्क व्यक्ति को काम करने लायक बनाते हैं। जाज (JAWS) साफ़्टवेयर वाले टॉकिंग कम्प्यूटर उच्च क्षमतायुक्त बधिर-नेत्रहीन वयस्क व्यक्ति को शैक्षणिक जानकारी प्रदान करता है।

आकलन :

द्विसंवेदी दुर्बलतायुक्त बच्चों का आकलन करने के लिए तीव्र पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाता है। हम क्या अवलोकन करते हैं, बच्चा क्या कर कहा है और सुधार लाने के लिए क्या किया जा सकता है - ऐसे तीन प्रश्न हैं जिनके आधार पर हम व्यक्ति-विशेष के लिए शैक्षणिक योजना तैयार करते हैं। दृष्टि, श्रवण क्षमता और अन्य सभी इंद्रियों का आकलन करने के लिए नवीन पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाता है ।

मानव संसाधन प्रबंधन

NIEPMD में दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 2006-07 में दस प्रशिक्षणार्थियों ने DSE (DB) पूरा कर लिया है और वे सभी भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में काम कर रहे हैं। NIEPMD में उच्च योग्यताप्राप्त प्राध्यापक वर्ग द्वारा सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक इनपुट दिला कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। यहाँ एक महीने या 5 दिनों की कालावधि के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ बधिर-नेत्रहीन के लालन-पालन के लिए माता-पिता के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित तौर पर आयोजित किए जाते हैं ।